जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

06 नवम्बर, 2024

प्रेस विज्ञप्ति

डीईएस, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: उच्च शिक्षा के लिए एक परिवर्तनकारी नीति" पर विस्तार व्याख्यान आयोजित किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शिक्षा संकाय के शैक्षिक अध्ययन विभाग (डीईएस) ने "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: उच्च शिक्षा के लिए एक परिवर्तनकारी नीति" पर विस्तार व्याख्यान आयोजित किया। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद डॉ. अंजलि शौकीन मुख्य वक्ता थीं। इस कार्यक्रम में एम.एड., एम.ए. (शैक्षिक योजना और प्रशासन), एम.ए. (प्रारंभिक बल्यवस्था विकास), पीजीडीईएम छात्रों और विभाग के शोधार्थियों सहित उत्साही दर्शकों ने भाग लिया।

डीईएस के विस्तार व्याख्यान के प्रभारी प्रो हरजीत कौर भाटिया ने डॉ. शौकीन का गर्मजोशी से परिचय कराया, शिक्षा नीति में उनकी विशेषज्ञता और क्षेत्र में उनके बहुमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष प्रो कौशल किशोर ने वक्ता और दर्शकों का स्वागत किया।

अपने व्याख्यान में, डॉ. शौकीन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर चर्चा की, जिसमें भारत को प्राचीन काल में शिक्षा के क्षेत्र में "विश्व गुरु" के रूप में पुनः स्थापित करने की इसकी क्षमता पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य देश के प्रत्येक छात्र के लिए सुलभ, न्यायसंगत, उच्च-गुणवत्ता और सस्ती शिक्षा के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

डॉ. शौकीन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मुख्य उद्देश्यों पर विस्तार से बताया, जिसमें शिक्षा के लिए एक समग्र, लचीला और बहु-विषयक दृष्टिकोण शामिल है, जिसका उद्देश्य 2030 तक प्रीस्कूल से माध्यमिक स्तर तक सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) को 100% तक बढ़ाना है। उन्होंने सितंबर 2022 में शुरू की गई पीएम श्री योजना पर चर्चा की, जिसका उद्देश्य देश भर में 14,500 से अधिक स्कूलों को उन्नत और विकसित करके समावेशी और आनंदमय वातावरण में उच्च-गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करना है।

व्याख्यान के संयोजक प्रो. हरजीत कौर भाटिया द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ विस्तार व्याख्यान का समापन हुआ। आभार व्यक्त करते हुए, प्रो. भाटिया ने कहा, "डॉ. शौकीन की अंतर्दृष्टि से हम बहुत प्रभावित हुए हैं। मुझे इस सार्थक चर्चा में संकाय सदस्यों, छात्रों और शोधार्थियों की गहरी भागीदारी देखकर खुशी हुई।" विभाग के संकाय सदस्यों, डॉ. सरिता कुमारी, डॉ. आफाक नदीम खान, डॉ. मूसा अली, डॉ. अली हैदर और डॉ. ज़ेबा तबस्सुम ने सत्र में संवादात्मक रूप से भाग लिया। सुश्री प्रियंका सैनी की तकनीकी सहायता से यह सत्र आकर्षक और सहयोगात्मक रहा।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया